

अध्याय VII : मानव शक्ति संसाधनों का प्रबंधन

7.1 मानव शक्ति की कमी

स्वनि अभियंता/सहायक स्वनि अभियंता और स्वनि कार्यदेशक अवैद्य स्वनन की जांच और राजस्व रिसाव को रोकने के लिए, विभाग के महत्वपूर्ण पदाधिकारी हैं। विभागीय वेब साइट पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार स्वनि अभियंता/सहायक स्वनि अभियंता और स्वनि कार्यदेशक के कर्तव्यों का विवरण यहां दिया गया है:

स्वनि अभियंता/सहायक स्वनि अभियंता के कर्तव्य : वह यह जांचने के लिए जिम्मेदार है कि पट्टा/ अनुज्ञापत्र की शर्तों को ठीक से लागू किया गया है; पर्यावरण हितैषी स्वनन, स्वनिज संरक्षण, सुरक्षा एवं उत्पादकता आदि की दृष्टि से पट्टेदार द्वारा स्वनिज सम्पदाओं का समुचित रूप से संचालन किया गया है तथा यह देखेगा कि अनुज्ञप्त क्षेत्रों के मामले में स्वनिज सम्पदाओं का समुचित रूप से पूर्वक्षण किया गया है। इसके अलावा, वह मानकों के अनुसार स्वानों का निरीक्षण करेगा। वह उचित निगरानी रखेगा और अनाधिकृत स्वनन और राजस्व के रिसाव को रोकने के लिए उपयुक्त उपाय करेगा और प्रावधानों के अनुसार नाकों और चेक पोस्टों के साथ-साथ प्रोसेसर, निर्माता, डीलर या व्यापारी या किसी भी अनुज्ञापत्र धारक के स्वनिज भण्डार का भी निरीक्षण करेगा।

स्वनि कार्यदेशक के कर्तव्य: वह स्वानों और स्वदानों का निरीक्षण करेगा और यह देखेगा कि अनुबंध की शर्तों का पालन हो रहा है या नहीं और संबंधित स्वनि अभियंता/सहायक स्वनि अभियंता को निरीक्षण की रिपोर्ट देगा। वह क्षेत्र में स्वनन गतिविधि पर नजर रखेगा और जब भी किसी भी अनाधिकृत कार्य का पता चले तो वह तुरंत संबंधित स्वनि अभियंता/सहायक स्वनि अभियंता को मामले की रिपोर्ट करेगा। वह पट्टा क्षेत्र की योजना और मानचित्र आदि तैयार करेगा। वह जांच करेगा कि उसके क्षेत्र में राजस्व का कोई रिसाव नहीं है और आवश्यकतानुसार नाके और चेक पोस्ट और स्वनिज परिवहन करने वाले वाहनों का निरीक्षण करेगा। वह अपने अधिकार क्षेत्र के भीतर प्रोसेसर, निर्माता, डीलर, व्यापारी के स्वनिज भण्डारों का भी निरीक्षण करेगा। वह नए चेक पोस्टों/नाके लगाने के लिये स्थलों का सुझाव देगा जिनकी राजस्व के रिसाव को रोकने के लिए अतिरिक्त आवश्यकता हो सकती है। वह अधिकृत पट्टा क्षेत्र, स्वीकृत, नवीकृत या विवादित क्षेत्रों का सीमांकन कार्य करेगा। वह स्वनि अभियंता/सहायक स्वनि अभियंता के निर्देशानुसार क्षेत्रों का निरीक्षण करेगा और उनको प्रतिवेदन प्रस्तुत करेगा।

चयनित कार्यालयों द्वारा उपलब्ध करायी गयी सूचनाओं की जांच से पता चला कि उन संवर्ग में मानव शक्ति की कमी थी जो अवैद्य स्वनन की जांच करने और राजस्व रिसाव को रोकने के लिए आवश्यक थे अर्थात् स्वनि अभियंता/सहायक स्वनि अभियंता और स्वनि कार्यदेशक। संबंधित अधिकारियों की स्वीकृत एवं कार्यरत की स्थिति तालिका 7.1 में दी गई है:

तालिका 7.1

महत्वपूर्ण अधिकारियों के कार्यरत और स्वीकृत पदों का विवरण

वर्ष	खनि अभियंता/सहायक खनि अभियंता			खनि कार्यदेशक		
	स्वीकृत	कार्यरत	रिक्त (प्रतिशत)	स्वीकृत	कार्यरत	रिक्त (प्रतिशत)
2015-16	13	11	2 (15)	17	13	4 (24)
2016-17	13	9	4 (31)	17	10	7 (41)
2017-18	13	8	5 (38)	17	10	7 (41)
2018-19	13	7	6 (46)	17	8	9 (53)
2019-20	13	10	3 (23)	17	8	9 (53)

उपरोक्त तालिका दर्शाती है कि अधिकारियों की अत्यधिक कमी 15 से 53 प्रतिशत के बीच थी।

मानव शक्ति की कमी का अवैद्य स्वनन गतिविधियों के नियंत्रण पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा जैसा कि पैराग्राफ 2.4 में चर्चा की गई है जिसमें यह उल्लेख किया गया कि कुल प्राप्त राजस्व में राजस्व का प्रतिशत घट रहा है जबकि अवैद्य स्वनन/परिवहन/भंडारण के मामलों की संख्या में काफी वृद्धि हुई है।

सरकार ने उत्तर दिया (फरवरी 2022) कि विभाग की पुनर्गठन प्रक्रिया प्रगति पर है और प्रक्रिया पूरी होने के बाद पदों के समायोजन/सृजन की कार्रवाई की जाएगी।

7.2 सतर्कता विंग की कार्यप्रणाली

अवैद्य स्वनन गतिविधियों की जांच और नियंत्रण के लिए विभाग के पास एक विशिष्ट सतर्कता विंग है। अगस्त 2013 से सतर्कता के उद्देश्य से 32 स्वण्ड कार्यालय गठित हैं। इन स्वण्ड कार्यालयों के प्रमुख खनि अभियंता/सहायक खनि अभियंता थे। विभागीय वेब साइट पर उपलब्ध सूचना के अनुसार इन खनि अभियंता/सहायक खनि अभियंता को निम्नलिखित कार्य सौंपे गए थे :

- अनाधिकृत स्वनन या अनाधिकृत उत्स्वनन और खनिज/खनिजों को हटाने के विरुद्ध गहन जांच।
- सरकारी राजस्व के रिसाव को रोकने के लिए अपने अधिकार क्षेत्र में विभागीय जांच चौकियों का बार-बार निरीक्षण।
- अप्रधान खनिजों के भंडार की जांच करें और सुनिश्चित करें कि राजस्थान अप्रधान खनिज रियायत नियम, 1986 तथा खान और खनिज (विकास और विनियमन) अधिनियम 1957 के प्रावधानों के अनुसार प्रोसेसर/निर्माता/संग्रहणकर्ता द्वारा उचित अभिलेख संधारित कर रखे हैं।
- जहां कहीं भी पट्टा अधिकृत क्षेत्रों के बाहर कार्य करने के संबंध में कोई संदेह हो वहां स्वनन क्षेत्रों का निरीक्षण करेगा।
- सीमांकन की जांच करें, आस-पास के पट्टेदारों के बीच सीमा विवादों की जांच करें, जब भी ऐसा कार्य उसे सौंपा जाए।
- अपने अधिकार क्षेत्र में खनिज ले जाने वाले वाहनों की लगातार जांच करना, विशेषकर जहाँ अधिशुल्क की चोरी की संभावनाएँ हों।
- सक्षम प्राधिकारियों द्वारा सौंपा गया कोई अन्य कार्य करना।

उक्त सभी कर्तव्य उसी क्षेत्र पर, अधिकार क्षेत्र रखने वाले स्वण्ड कार्यालयों को प्रशासनिक कर्तव्यों के अलावा भी सौंपे गये थे। लेखापरीक्षा ने सतर्कता कार्यालयों के स्वनि अभियंता/सहायक स्वनि अभियंताओं और उसी क्षेत्र पर अधिकारिता रखने वाले चयनित स्वण्ड कार्यालयों के स्वनि अभियंता/सहायक स्वनि अभियंताओं के कामकाज की तुलना की। तुलना के परिणामों से पता चला कि 2015-16 से 2019-20 की अवधि के दौरान सतर्कता कार्यालयों ने अवैद्य स्वनन गतिविधियों के 956 मामले दर्ज किए जबकि इसी अवधि में स्वण्ड कार्यालयों ने 2,434 मामले दर्ज किए। ये नीचे दी गई तालिका में बताये गए हैं:

तालिका 7.2: खण्ड एवं सतर्कता कार्यालयों के बीच कार्य का तुलनात्मक विवरण

कार्यालय का नाम	खंड कार्यालयों एवं सतर्कता कार्यालयों द्वारा बनाये गये पंचनामों की संख्या												प्रतिशत (13/12 * 100)
	2015-16		2016-17		2017-18		2018-19		2019-20		कुल		
	खण्ड	सतर्कता [#]	खण्ड	सतर्कता	खण्ड	सतर्कता	खण्ड	सतर्कता	खण्ड	सतर्कता	खण्ड	सतर्कता	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14
नीमकाथाना	46	5	18	6	20	5	35	6	58	64	177	86	48.58
सीकर	88	17	63	3	55	0	75	34	110	99	391	153	39.13
कोटपुतली	113	23	188	48	70	24	249	96	212	28	832	219	26.32
अलवर	150	166	159	74	164	64	178	41	146	62	797	407	51.06
मकराना	1	41	0	22	62	13	99	10	75	5	237	91	38.39
योग	398	252	428	153	371	106	636	187	601	258	2434	956	39.27

* खण्ड : स्वण्ड कार्यालय # सतर्कता: सतर्कता कार्यालय

उपरोक्त तालिका के विश्लेषण से पता चला कि कुछ मामलों को छोड़कर सतर्कता विंग के स्वनि अभियंता/सहायक स्वनि अभियंता अपने नियत कर्तव्यों की पालना के मामले में स्वण्ड कार्यालयों से बहुत पीछे रहे क्योंकि सतर्कता कार्यालयों द्वारा किए गए कुल पंचनामों में स्वण्ड कार्यालयों द्वारा किए गए पंचनामों का केवल 39.27 प्रतिशत था।

इसके अलावा यहां यह भी उल्लेख करना उचित होगा कि विभाग में एक विशेष सतर्कता विंग होने के बावजूद; इसी अवधि के दौरान अवैद्य स्वनन गतिविधियों की प्रवृत्ति बढ़ रही थी। बिना किसी महत्वपूर्ण अंतर के समान कर्तव्यों/कार्यों वाले कार्यालयों के गठन से पता चलता है कि उपलब्ध मानव शक्ति का पूरी तरह से उपयोग नहीं किया गया था।

सरकार ने उत्तर दिया (फरवरी 2022) कि विभाग की पुनर्गठन प्रक्रिया (सतर्कता विंग सहित) प्रगति पर थी।

7.3 प्रशिक्षण और तकनीक का उपयोग

यह एक तथ्य है कि प्रशिक्षण महत्वपूर्ण है क्योंकि यह कर्मचारियों के लिए अपने ज्ञान के आधार को विकसित करने और कार्यस्थल में अधिक प्रभावी बनने के लिए अपने कौशल में सुधार करने के लिए एक अच्छे अवसर का प्रतिनिधित्व करता है।

7.3.1 प्रशिक्षण की कमी

चयनित कार्यालयों द्वारा उपलब्ध करायी गयी सूचनाओं की जांच में पाया गया कि विभाग के कुछ अधिकारियों को ही अवैद्य स्वनन गतिविधियों की जांच के लिये नवीनतम तकनीक का प्रशिक्षण दिया गया। चयनित इकाइयों के अधिकारियों को प्रशिक्षण की स्थिति तालिका 7.3 में दी गई है:

तालिका 7.3

प्रशिक्षण की कमी को दर्शाने वाला विवरण

वर्ष	नवीनतम जानकारी अर्थात् रिमोट सेंसिंग डेटा, जीआईएस प्रौद्योगिकी, ड्रोन सर्वेक्षण आदि के लिए आयोजित प्रशिक्षण की संख्या	प्रशिक्षित व्यक्तियों की संख्या
2015-16	0	0
2016-17	1	2
2017-18	0	0
2018-19	1	1
2019-20	0	0

चयनित 11 कार्यालयों में से केवल दो कार्यालयों के अधिकारियों को ही नवीनतम प्रौद्योगिकी के संबंध में प्रशिक्षण प्रदान किया गया था। इसके अलावा यह देखा गया कि शेष चयनित कार्यालयों में तैनात किसी भी अधिकारी को नवीनतम तकनीक अर्थात् रिमोट सेंसिंग डेटा, जीआईएस तकनीक, ड्रोन सर्वेक्षण के उपयोग का प्रशिक्षण नहीं दिया गया था।

इस प्रकार, नवीनतम प्रौद्योगिकी में प्रशिक्षण की कमी के परिणामस्वरूप प्रौद्योगिकी की सहायता से चयनित स्वण्ड कार्यालयों में अवैद्य स्वनन गतिविधियों की पहचान नहीं हुई।

शासन ने उत्तर दिया (फरवरी 2022) कि विभागीय अधिकारियों को प्रशिक्षण देने की कार्यवाही की जायेगी।

7.3.2 लेजर आधारित मापने की तकनीक और मानचित्रण उपकरण

लेजर तकनीक में लेजर आधारित माप उपकरणों की एक श्रृंखला होती है जो स्वनन कार्यों को आसान और सुरक्षित बनाती है। एक लेजर आधारित प्रोफाइलिंग सिस्टम सटीक माप ले सकता है और बेंच हाइट्स के साथ-साथ न्यूनतम और सटीक मलबे की गणना कर सकता है।

स्वान और भू-विज्ञान विभाग, कर्नाटक के स्वनिज प्रशासन के व्यापक कम्प्यूटरीकरण के संबंध में एक दस्तावेज में लिडार प्रौद्योगिकी (लाईट डिटेक्शन एवं रेंजिंग टेक्नोलॉजी) उल्लेखित है। दस्तावेज के अनुसार, पारंपरिक सर्वेक्षण विधियों की तुलना में लिडार स्कैनिंग कहीं अधिक सुरक्षित है और इसमें केवल कुछ ही समय लगता है। जिस गति से डेटा एकत्र किया जाता है वह स्वनन कार्यक्रम और प्रक्रियाओं में देरी को कम करता है। लिडार सॉल्यूशन दो समयावधियों के बीच अंतर स्कोजने के लिए आदर्श है ताकि भूभाग में होने वाले परिवर्तनों की सटीक निगरानी की जा सके। मौजूदा डेटा कार्यप्रवाह, लिडार सॉल्यूशन के डेटा में सुविधानुसार जुड़ जाता है ताकि इंजीनियरिंग ड्रॉइंग, अनुरूप निर्माण, कंट्रूर और आयतन आदि का वांछित परिणाम प्राप्त हो सके।

तथापि विभाग द्वारा क्षेत्र कार्यालयों में उपयोग के लिए ऐसे उपकरणों की खरीद नहीं की गई थी। संयुक्त भौतिक निरीक्षण के दौरान यह देखा गया कि विभाग ने लंबाई, चौड़ाई और ऊंचाई की माप हाथ से नापने वाले फ्रीते (नापने का फ्रीता) का उपयोग किया। पहाड़ी क्षेत्रों में उत्खनित स्वनिज का मापन जहां बेंच भी नहीं बनाए गए हो एक कठिन कार्य है और इसमें बहुत समय लगता है इसके अलावा गलत माप के कारण परिहार्य मुकदमेबाजी होती है।

सरकार ने उत्तर दिया (अक्टूबर 2021) कि आधुनिक तकनीक अर्थात् ड्रोन, लेजर और जीआईएस के उपयोग के लिए उपकरण स्वरीदे/बाहरी स्रोत से प्राप्त किए जाएंगे। तत्पश्चात्, यह उत्तर दिया गया (फरवरी 2022) कि एक जिले अर्थात् नागौर में अवैद्य स्ननन की पहचान करने के लिए ड्रोन सर्वेक्षण किया गया था।

7.4 लेखापरीक्षा परिणामों का सारांश

अवैद्य स्ननन गतिविधियों पर अंकुश लगाने और राजस्व के रिसाव को रोकने के लिए विभाग के पास एक सतर्कता विंग है। 2015-16 से 2019-20 की अवधि के दौरान सतर्कता कार्यालयों ने 956 मामलों की पहचान की जबकि उसी क्षेत्र पर अधिकार रखने वाले स्वण्ड कार्यालयों ने अपने नियमित कार्य के अलावा अवैद्य स्ननन गतिविधियों के 2,434 मामलों की पहचान की। यह इंगित करता है कि सतर्कता विंग का प्रदर्शन ठीक नहीं था और अवैद्य स्ननन गतिविधियों की पहचान के लिए विशेष विंग की स्थापना का उद्देश्य भी उस हद तक विफल रहा था। विभाग के केवल कुछ अधिकारियों को अवैद्य स्ननन गतिविधियों पर लगाम लगाने के लिए नवीनतम तकनीक का प्रशिक्षण दिया गया। विभाग द्वारा क्षेत्र कार्यालयों में उपयोग के लिए नवीनतम उपकरणों की स्वरीद नहीं की गई थी।

7.5 सिफारिशें

विभाग विचार कर सकता है:

1. दोहराव से बचने और उनकी क्षमताओं का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित करने के लिए स्वण्ड कार्यालयों और सतर्कता कार्यालयों के अधिकारियों को सौंपे गए कर्तव्यों की समीक्षा करें और सतर्कता विंग के कामकाज को मजबूत करने के उपाय करें; और
2. उत्त्वनित स्वनिजों की मात्रा मापने के लिए नवीनतम तकनीक अपनाएं।

